>

Title: Regarding suicide being committed by farmers in Bundelkhand region of Uttar Pradesh.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय,. कुछ समय पहले हमारे साथियों ने बुन्देलखंड में किसानों की दुर्दशा के संबंध में सदन का ध्यान आकृष्ट किया था लेकिन अफसोस की बात है कि न तो राज्य सरकार ने और न ही केन्द्र सरकार ने बुंदेलखंड की समस्या की गम्भीरता को संज्ञान में लिया है। पिछले 3-4 वर्षों से वहां भंयकर सूखा है। सीमान्त और छोटे किसान अपनी जीविका के लिये फसलें पैदा कर रहे थे लेकिन बड़े किसानों के यहां भी कुछ पैदा नहीं हुआ है। हालत यह है कि रोज़ किसान आत्महत्यायें कर रहे हैं और राज्य सरकार उन आत्महत्याओं को छिपाने में लगी हुई है...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not make allegations against the State Government. यह एलीगेशन ठीक नहीं है। आप बोलिये, क्या हुआ?

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, किसान रोज़ाना खुदकुशी कर रहे हैं। जिस गम्भीरता से बुंदेलखंड की समस्या को लिया जाना चाहिये था, नहीं लिया गया है। लोग बड़े परेशान हैं और पलायन कर रहे हैं। जो लोग अपनी आजीविका के लिये फसलें पैदा करते थे, वे पैदा नहीं हुई हैं। किसानों पर ऋण है। वित्त मंत्री जी ने बजट में 60 हजार करोड़ रुपये के ऋण माफी का जिक्र किया है जिसका लाभ सीमान्त और छोटे किसानों को होगा। लेकिन सरकार से मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि किसानों का पूरा कर्जा माफ होना चाहिये। सरकार को बुंदेलखंड की समस्या के लिये विशेष पैकेज की घोषणा करनी चाहिये जिससे वहां के लोगों को बचाया जा सके।

अध्यक्ष महोदय : श्री राज नारायण बुधोलिया और श्री चन्द्रपाल सिंह यादव - आप दोनों ने इस बारे में नोटिस दिया है।

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव (झांसी) : अध्यक्ष महोदय, आपने सवेरे कहा था कि हम आप पूरा समय देंगे।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप एक मिनट बोलिये।

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, बुंदेलखंड के बारे में माननीय सुमन जी ने अपनी बात रखी है। मैं संबंधित विषय से अपने को सम्बद्ध करते हुये आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि बुंदेलखंड की हालत इतनी भंयकर है कि जिसे आप सुन भी नहीं सकेंगे। वहां पानी की एक-एक बूंद के लिये लोग तरस रहे हैं। तालाब, नहर, कुंये में पानी नहीं है। यहां तक कि जानवरों के पीने के लिये भी पानी नहीं है। किसानों ने अपने जानवर घरों पर छोड़ दिये हैं जिनके खाने के लिये न भूसा है और न ही पानी है। बुंदेलखंड क्षेत्र में पक्षी पानी के अभाव में मर रहे हैं। वहां का एक-एक आदमी भुखमरी के कगार पर है। मैं समझता हूं कि यह कोई बड़ी बात नहीं कि प्रतिदिन भूख के कारण एक आदमी निश्चित रूप से मौत के मुंह में जा रहा है। जहां तक आंकड़ों का सवाल है, चाहे प्रशासन हो या सरकार हो, उन्हें छिपाने में लगे हुए है जिससे यह न हो जाये कि बुंदेलखंड में इतने लोग मर रहे हैं। कुछ लोग कर्ज के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। दूसरा भुखमरी है और पीने का पानी नहीं है।[s6] वहां 80 प्रतिशत खेती खाली पड़ी हुई है। वहां किसी भी प्रकार से एक दाना भी पैदा नहीं हो रहा है। इन परिस्थितियों में लोग वहां से लगातार पलायन कर रहे हैं। बुन्देलखंड का मामला मैंने पिछली बार भी सत्र में उठाया था। पिछली दो बार लगातार माननीय प्रधान मंत्री जी से एक डैलिगेशन बुन्देलखंड के संबंध में मिला था। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने यह बात पहले भी बोली है।

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : मान्यवर, जो बात हम कह रहे हैं, वह अलग बात है।

अध्यक्ष महोदय : अलग बात नहीं है, एक ही बात है।

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : हम लोग प्रधान मंत्री जी से दो बार मिले हैं, पिछले सत्र में भी मामला उठाया है। हमें आश्वासन भी दिया गया है कि बुंदेलखंड के लिए अलग से पैकेज उपलब्ध कराया जाएगा। ...(व्यवधान) भारत की स्वतंत्रता के बाद से लगातार बुंदेलखंड के साथ भेदभाव हुआ है। बुंदेलखंड में आज एक-एक बूँद पानी के लिए लोग तरस रहे हैं। सभी पार्टियों के नेता - भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस पार्टी और सभी पार्टियों के नेता वहां जाकर भाषण देते हैं, वहां के लोगों को राहत दिलाने के लिए भाषण देते हैं। आज मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूँ कि एक नए पैसे की भी मदद न तो प्रदेश सरकार ने की है और न ही केन्द्र सरकार ने की है। इसलिए मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि यहां पर ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप क्या कर रहे हैं? हम आपकी बात रिकार्ड नहीं करेंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब कुछ भी रिकार्ड पर नहीं जाएगा। श्री राजनारायण बुधौलिया।

*(Interruptions)*â€¦â€¦â€¦*

अध्यक्ष महोदय : आप प्लीज़ बैठ जाइए। हमने पूरी मदद की है। हमने इनको बुलाया, आपको बुलाया।

â€¦(व्यवधान)

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : वहां के लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है। दस बार एक ही बात बोलने से ज़ोर नहीं पड़ता। हम तो आपकी मदद करते हैं, इसीलिए हमने आपको बुलाया है। आपको भी हमारी बात सुननी होगी।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : तीन सदस्यों को एक ही मुद्दे पर बोलने के लिए हमने बुलाया है क्योंकि यह इंपोर्टेन्ट इश्यू है। आप बैठ जाइए। एक लाइन भी रिकार्ड नहीं की जा रही है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको क्या हो गया है आज?

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Do not record one word.

* Not recorded.

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will adjourn the House and go away.

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। आपने नोटिस देने का कष्ट भी नहीं किया।

â€¦(व्यवधान)

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : हम असोसियेट करना चाहते हैं।

अध्यक्ष महोदय : आप असोसियेट कर लीजिए लेकिन क्या चेयर को डिफाइ करेंगे? आप नाम लिखित में भेज दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा : महोदय, मैं भी इस विषय से अपने को संबद्ध करता हूँ।

श्री वीरेन्द्र कुमार (सागर) : मैं भी बुंदेलखंड के विषय पर अपने को संबद्ध करता हूँ।

श्री चन्द्रभान सिंह (दमोह) : मैं भी इस विषय से अपने को संबद्ध करता हूँ।

श्री राजनारायन बुधौलिया (हमीरपुर, उ0प्र0) : अध्यक्ष महोदय, भारतवर्ष का सबसे पिछड़ा यदि कोई क्षेत्र है तो वह बुंदलेखंड क्षेत्र है। बुंदेलखंड के मामले में अभी हमारे माननीय वरिष्ट सदस्य सुमन जी ने, हमारे साथी डॉ. चन्द्रपाल सिंह जी ने बहुत विस्तार से बहुत अच्छी बातें कही हैं। यह सत्य है कि बुंदेलखंड की कोई भी समस्या कभी किसी सरकार ने गंभीरता से नहीं सुनी। चाहे प्रदेश की सरकार हो या भारत की सरकार हो। हम लोग दो बार प्रधान मंत्री जी से मिले। प्रधान मंत्री जी ने हमें आश्वासन दिया। केन्द्रीय दल वहां दौरे पर गया। उसकी रिपोर्ट सरकार के पास आ चुकी है लेकिन उस रिपोर्ट के आधार पर कोई विशेष पैकेज बुंदेलखंड की जनता को नहीं दिया गया। बुंदेलखंड के लोग भूखे-प्यासे मर रहे हैं, आत्महत्याएं कर रहे हैं। इस विषय पर हमने विशेष चर्चा के लिए नोटिस भी दिया था लेकिन उस पर आपकी तरफ से मंज़ूरी नहीं मिली। आज बुंदेलखंड के लोग हज़ारों की संख्या में पलायन कर रहे हैं। कच्छ में जो दुर्घटना हुई, माननीय लालू प्रसाद जी ने पांच पांच लाख रुपये मुआवज़ा दिया जिसके लिए मैं उनको धन्यवाद देता हूँ। वे बुंदेलखंड क्षेत्र के लोग थे जो पलायन करके वहां रोज़गार की तलाश में गए थे। चाहे वहां का छोटा किसान हो या बड़ा किसान हो, सिंचाई के साधन नहीं हैं। कोई विशेष पैकेज बुंदेलखंड की जनता को नहीं दिया गया। वित्त मंत्री जी ने हम लोगों को कुछ राहत प्रदान की है लेकिन छोटे किसानों के लिए की है। बुंदेलखंड में बड़ी जोत के किसान भी हैं। महोदय, किसान तो किसान ही होता है चाहे छोटा हो या बड़ा हो। वहां के किसान चार सालों से भुखमरी की हालत में हैं और आत्महत्याएं कर रहे हैं। [h7]

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार से मांग है कि चाहे छोटा किसान हो या बड़ा किसान हो, सभी के कर्जे माफ किए जाएं। ...(व्यवधान) वहां के किसानों के लिए विशेष पैकेज दिया जाए। धन्यवाद।...(व्यवधान)

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इस पर चर्चा करा लें।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आपके अभी बोलने से हम कुछ नहीं करेंगे।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप मेहरबानी करके नोटिस भेजिए।

...(व्यवधान)

श्री चन्द्रपाल सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आप इस पर चर्चा करा दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: क्या आपके बोलने से हम चर्चा कराएंगे?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय: आपके लीडर भी आपको बैठने के लिए बोल रहे हैं। आप हमारी बात नहीं सुनते हैं, उनकी बात तो सुनिए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: राजनरायण जी, आप बहुत जेंटल मेम्बर हैं।